

REPORTED ACCEPTANCE BY INDIA OF  
BRITISH PLAN TO END CARGO PROBLEM  
BETWEEN INDIA AND PAKISTAN

**Shri Daji:** I call the attention of the Minister of Transport to the following matter of urgent public importance and request that he may make a statement thereon:

"The reported acceptance by India of British plan to end cargo problem between India and Pakistan."

**The Minister of Transport (Shri Raj Bahadur):** I must first of all say that there was no British plan and so, the question of acceptance does not arise. With these words, I lay the statement, on the Table of the House. [Placed in Library. See No. LT-5292/65].

14.49 hrs.

COMMITTEE ON PRIVATE MEMBERS' BILLS AND RESOLUTIONS

SEVENTY-FIFTH REPORT

**Shri Hem Raj (Kangra):** I beg to move:

"That this House agrees with the Seventy-fifth Report of the Committee on Private Members' Bills and Resolutions presented to the House on the 1st December, 1965."

**Mr. Deputy-Speaker:** The motion is before the House.

**श्री प्रकाशचौर शास्त्री (बिजनौर) :** मेरा प्रमेडमेंट यह है जो मैं प्राप के द्वारा सदन से अनुरोध करना चाहता हूँ कि गैर-सरकारी सदस्यों के विधेयक में सम्मिलित करने के लिए मैंने अपनी ओर से दो विधेयक प्रस्तुत किये थे, एक संविधान से धारा 370 को हटाने के सम्बन्ध में जिसमें काश्मीर की अनिश्चित स्थिति समाप्त हो जाये जिसको समिति ने स्वीकार कर लिया लेकिन दुर्भाग्य से मैं उस दिन पब्लिक एकाउंट्स कमेटी की एक सब-कमेटी के साथ बाहर गया हुआ था, इसलिए उस विधेयक के सम्बन्ध में

घपना पक्ष उपस्थित नहीं कर सका। मैं चाहता हूँ कि इस विधेयक को इस सदन में चर्चा के लिए प्रस्तुत करने का अवसर दिया जाये जैसी कि इस सदन की परम्परा रही है कि कभी भी कोई विधेयक हो उसको चर्चा के लिए प्रस्तुत करने का अवसर दिया जाता है।

दूसरा विधेयक मेरा यह है कि भारत के संविधान में घपने देश के नाम के सम्बन्ध में लिखा हुआ है "इंडिया दैट इज भारत" मैं ने इस प्रकार का विधेयक दिया है कि "इंडिया दैट इज" ये शब्द हटा कर केवल "भारत" रहने देना चाहिए। जब हम सब शब्दों का भारतीयकरण कर रहे हैं तो हम को घपने नाम का भी भारतीयकरण करना चाहिए। हम ने घपने देश का नाम उस समय "इंडिया" इसलिए रखा था कि हम को बाहर के देश उस नाम से जानते थे। लेकिन अब तो हम को स्वतंत्र हुए 18 साल हो गये, इसलिए हम को घपने विमुक्त नाम पर घा जाना चाहिए, और संविधान में इस का संशोधन कर लेना चाहिए। मेरा अनुमान है कि अगर यह विधेयक सदन में प्रस्तुत करने का अवसर दिया जायेगा तो हो सकता है कि इस पर और भी काफी व्यावहारिक मुद्दाएँ हों जिसे सरकार को इस दिशा में अनुकूल निर्णय लेने में मुगमता हो। मैं चाहता हूँ कि जब भी प्राणामी अधिवेशन में विधेयक पेश करने का अवसर आवे तो मुझे यह दूसरा विधेयक पेश करने की अनुमति दी जाये जिससे इस पर चर्चा हो सके। मेरा विश्वास है कि सदन मेरी इस भावना का प्रादर करेगा और मुझे उस विधेयक को उपस्थित करने का अवसर देगा।

**Shri Hem Raj:** So far as the hon. Member's Bill is concerned, it was considered by the committee in the light of the principles laid down in the first report of the Committee on Private Members' Bills and Resolutions, where it has been stated:

"The Constitution should be considered as a sacred document—"